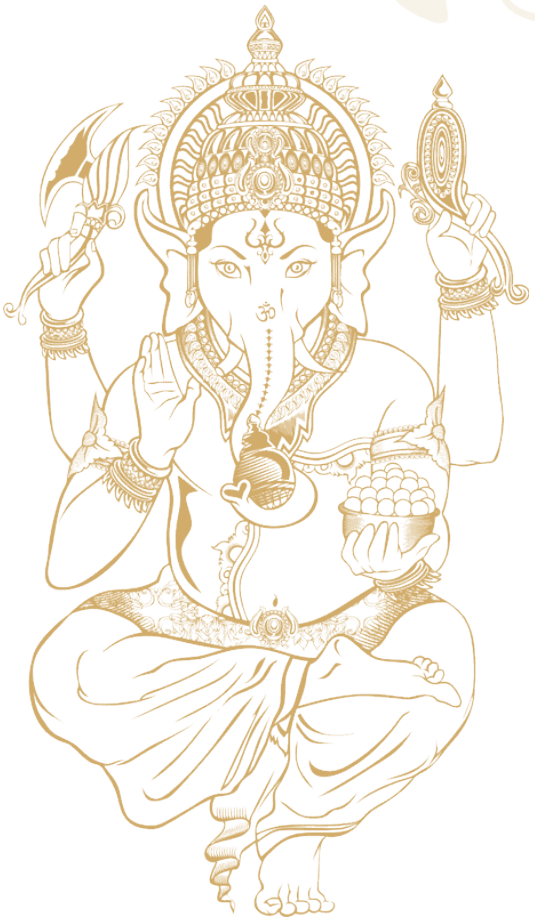

Akshay Nandini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120729802

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
27-28/09/1996 :	जन्म तिथि	: 21-22/04/2000
शुक्र–शनिवार :	दिवस	: शुक्र–शनिवार
कला 02:00:00 :	जन्म समय	: 04:45:00 कला
घटी 48:48:22 :	जन्म समय(घटी)	: 56:09:00 घटी
India :	देश	: India
Mumbai :	स्थान	: Mumbai
18:58:00 उत्तर :	अक्षांश	: 18:58:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
कला -00:38:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:38:40 कला
कला 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 कला
06:28:39 :	सूर्योदय	: 06:17:24
18:30:17 :	सूर्यास्त	: 18:57:38
23:48:43 :	लाहिरी अयनांश	: 23:51:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 11वर्ष 5मा 10दि		08:14:09	कर्क	लग्न	मीन	08:35:15	शनि 1वर्ष 9मा 3दि	
शुक्र		11:11:19	कन्या	सूर्य	मेष	08:16:51	केतु	
10/03/2015		21:01:24	मीन	चंद्र	वृषि	15:25:55	25/01/2019	
10/03/2035		17:17:56	कर्क	मंगळ	मेष	27:46:41	24/01/2026	
शुक्र	09/07/2018	25:17:46	सिंह	बुध	मीन	20:47:34	केतु	23/06/2019
रवि	09/07/2019	14:55:43	धनु	गुरु	मेष	20:10:19	शुक्र	22/08/2020
चन्द्र	09/03/2021	28:58:35	कर्क	शुक्र	मीन	24:52:31	रवि	28/12/2020
मंगळ	09/05/2022	10:04:18	मीन व	शनि	मेष	24:10:25	चन्द्र	29/07/2021
राहु	09/05/2025	14:10:40	कन्या	राहु व	कर्क	04:41:13	मंगळ	25/12/2021
गुरु	08/01/2028	14:10:40	मीन	केतु व	मक	04:41:13	राहु	12/01/2023
शनि	10/03/2031	06:53:29	मक व	हर्ष	मक	26:30:56	गुरु	19/12/2023
बुध	08/01/2034	01:11:09	मक व	नेप	मक	12:38:29	शनि	27/01/2025
केतु	10/03/2035	07:09:39	वृषि	प्लूटो व	वृषि	18:40:23	बुध	24/01/2026

लग्न–चलित

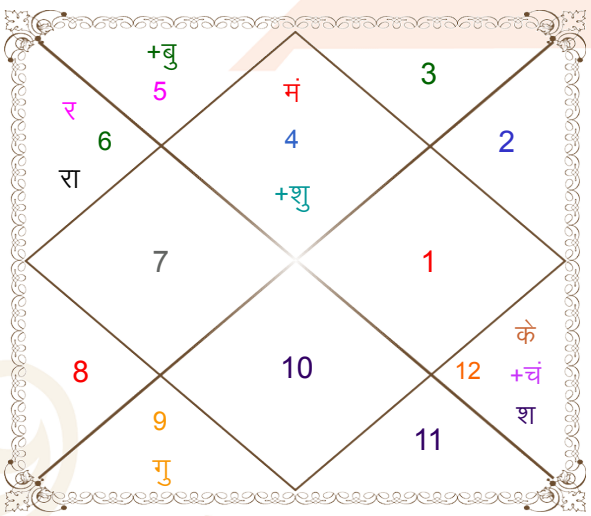

लग्न–चलित

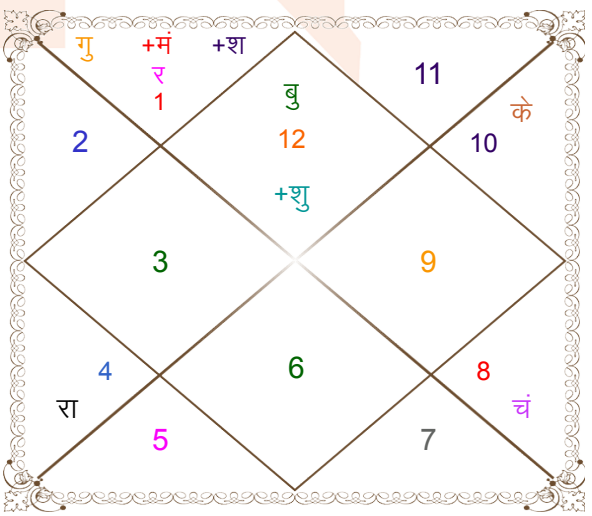

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	––	भाग्य
योनि	गज	मृग	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगळ	5	5.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	––	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	आह	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**26.00**		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

।ींल का वर्ग सर्प है तथा छंदकपदप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ींल और छंदकपदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।ींल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।ींल कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छंदकपदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

।ींल तथा छंदकपदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।